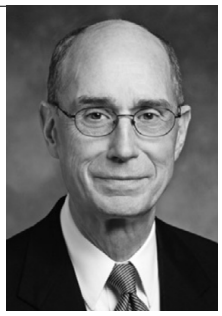

अध्यक्ष हेनरी बी. आइरिंग द्वारा
प्रथम अध्यक्षता में प्रथम सलाहकार

तुम्हारी खुशी कितनी अधिक होगी

जीवन में कुछ खुशियां इस जानकारी से अधिक मधुर होती और लम्बे समय तक याद रहती हैं कि आपने दूसरों को उनके हृदय में यीशु मसीह के पुनःस्थापित ससुमाचार को करने ग्रहण में मदद की है । इस खुशी को पाना गिरजाघर के प्रत्येक सदस्य का सौभाग्य होता है । जब हमने बपतिस्मा लिया था, हमने प्रतिज्ञा की थी कि हम ''सदैव सभी बातों में चाहे जहां भी [तुम] हो, मृत्यु तक परमेश्वर की साक्षी के रूप में खड़े होना चाहते हो, जिससे कि परमेश्वर द्वारा [तुम्हारा] उद्धार हो सके और [तुम्हारी] गिनती प्रथम पूर्नजीवन पाने वालों में हो जिसके कि [तुम्हें] अनन्त प्राप्त हो सके''(मुसायाह 18:9) ।

सभी सदस्य कहीं भी और जबतक वे जीवित हैं, यीशु मसीह के सुसमाचार को दुनिया में फैलाने के लिए गिरजाघर को दी गई जिम्मेदारी का हिस्सा बनना स्वीकार करते हैं । प्रभु ने इसे स्पष्टरूप से कहा था:''सुनो, मैं तुम्हें गवाही देने और लोगों को चेतावनी देने के लिए भेजता हूं, और यह प्रत्येक उस मनुष्य, जिसे चेतावनी दी गई है, के लिए जरूरी होगा कि वह अपने पड़ोसी को चेतावनी दे''(सि. और अनु. 88:81) । पूरे-समय के प्रचारक के पास उनको शिक्षा देने का अधिकार है जो अभी गिरजाघर के सदस्य नहीं हैं । गिरजाघर के सदस्यों के पास उनको खोजने का अधिकार है जिन्हें प्रभु ने प्रचारकों से शिक्षा पाने के लिए तैयार किया है ।

हमें अपने विश्वास का उपयोग करने की जरूरत है कि प्रभु ने हमारे आसपास के लोगों को सीखाए जाने के लिए तैयार किया है । वह जानता है वे कौन हैं और वे कब तैयार हैं, और वह हमें पवित्र आत्मा की शक्ति से उनके पास ले जा सकता है और सीखाए जाने के लिए उन्हें निमंत्रण देने के लिए हमें शब्द देता है । जो प्रतिज्ञा प्रभु ने 1832 में एक प्रचारक को दी थी वही प्रतिज्ञा वह हमें प्रचारकों द्वारा सीखाए जाने के लिए तैयार लोगों को खोजने के हमारे दायित्व के लिए भी देता है: ''मैं उसके लिए एक सहायक भेजूंगा, जो उन्हें सच्चाई सीखाएगा और उसको जाने का मार्ग बताएगा; और जितना अधिक वह विश्वासी होगा, उतना ही अधिक प्रतिफल मैं उसे दूंगा'' (सि. और अनु. 79:3) ।

और विश्वासी प्रचारक को प्रतिज्ञा की गई खुशी हमारी भी है जब हम विश्वासी सदस्य के रूप में अपना हृदय प्रचारक कार्य को देते हैं:

''और अब, यदि एक व्यक्ति को मेरे पास मेरे पिता के राज्य में लाने से तुम्हें इतनी खुशी मिलती है, तो यदि तुम कई व्यक्तियों को मेरे पास लाते हो तो तुम्हारी खुशी कितनी अधिक होगी !

''देखो, तुम्हारे पास मेरा सुसमाचार, और मेरी चट्टान, और मेरा उद्धार है ।

''और पिता से मेरे नाम में मांगो, विश्वास करते हुए कि तुम्हें मिलेगा, और तुम्हें पवित्र आत्मा प्राप्त होगा, जो तुम्हें सब बातें प्रकट करेगा जो मनुष्य के बच्चों के जरूरी हैं''(सि. और अनु.18:16-18) ।

जो सीखाए जाने के लिए तैयार है उन्हें पहचानने और निमंत्रण देने में मदद के लिए पवित्र आत्मा के अतिरिक्त, प्रभु ने हमारे मार्गदर्शन के लिए मार्गदर्शकों को नियुक्त और प्रशिक्षित किया है । दिनांक 28 फरवरी 2002 के पत्र में, प्रथम अध्यक्षता ने धर्माध्यक्षों और वाडों पर प्रचारक कार्य की अतिरिक्त जिम्मेदारी डाली थी । 1 वार्ड या शाखा परिषद की सहायता से, पौरोहित्य कार्यकारी समीति अपनी ईकाई के लिए एक प्रचारक योजना का विकास करती है । उस योजना में सुझाव होते हैं कि कैसे सदस्य उन लोगों को खोज सकते हैं जो प्रचारकों द्वारा सीखाए जाने के लिए तैयार हैं । एक व्यक्ति को वार्ड या शाखा मिशन मार्गदर्शक नियुक्त किया जाता है । उस मिशन मार्गदर्शक का पूरे-समय के प्रचारकों और उनके जांचकर्ताओं के साथ निकट सम्पर्क होता है ।

कई तरीके हैं जिनसे आप प्रचारकों द्वारा सीखाए जाने के लिए लोगों

को खोजने की अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी को अच्छी तरह से निभा सकते हो । सबसे सरल तरीका ही सर्वोत्तम रहेगा ।

पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करें । उनके सुझाव पूछने और उन्हें अपनी मदद का वादा करने के लिए, स्थानीय मार्गदर्शकों और प्रचारकों से बात करें । जो आपके साथ कार्य में शामिल हैं उन्हें प्रोत्साहित करें । और हर समय जो आप कहते और करते हैं उसमें साक्षी बनें कि यीशु ही मसीह है और परमेश्वर प्रार्थनाओं का उत्तर देता है ।

मैं साक्षी देता हूं कि जब उस मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना और कार्य करते हैं, पवित्र आत्मा आपको उनकी ओर ले जाएगा जो सच्चाई की खोज करते हैं । और मैं अनुभव से जानता हूं कि आपकी खुशी उनके साथ स्थाई रहेगी जो अपने हृदयों में सुसमाचार को चुनते हैं और फिर अन्त तक विश्वास में रहते हैं ।

विवरण

1. "News of the Church: Ward and Branch Missionary Work Emphasized," *Liahona*, अगस्त. 2002, 4 देखें ।

इस संदेश से शिक्षा

- *Teaching, No Greater Call* निर्देश देता है कि जिन्हें हम सीखाते हैं उन्हें लक्ष्य बनाकर उन सिद्धान्तों को जीने में मदद के लिए प्रोत्साहित करें जो उन्होंने सीखे हैं (देखें पृष्ठ 159) । परिवार के साथ, प्रचारक काम की उन आशीषों को पहचानने पर विचार करें जैसे अध्यक्ष आइरिंग ने बताया है और, यदि प्रभावित हों, तो परिवार को सुसमाचार बांटने के लक्ष्य बनाने के लिए निमंत्रण दें ।
- परिवार के साथ सुसमाचार बाटंने के तरीकों पर विचार करें, अध्यक्ष आइरिंग की सलाह को याद रखें कि ''सबसे सरल तरीका ही सर्वोत्तम रहेगा'' । विचारविर्मश के लिए *Teaching, No Greater Call,* देखें पृष्ठ 160 ।

युवा

मेरे जीवन में कई प्रचारक

एलिजाबेथ एस. स्टाइल्स द्वारा

पहले रविवार मैं प्रचारकों के साथ गिरजाघर में गई थी, मैं उन लोगों को पहचानती थी जिनके साथ मैं बड़ी हुई और आस-पड़ोस से जानती थी । मैंने अपने विद्यालय की सबसे अच्छी मित्र को देखा था, आधारिक और हाई स्कूल की सचिव, वह लड़की जिसके साथ मेरा व्यवहार अतीत में बहुत अच्छा नहीं रहा था और एक युवक भी जिसे मैं कभी चाहती थी ।

इन दो व्यक्तियों ने मुझ पर स्थाई प्रभाव डाला था । मेरी सबसे अच्छी मित्र बहुत ईमानदार युवती थी, और उसके कारण मैंने गिरजाघर की जांच करना जारी रखा था । सचिव जो मुझे विद्यालय से जानती थी, ने मुझे समझने में मदद की थी कि मैं महत्वपूर्ण हूं । उस युवती से, जिसके साथ मैंने अतीत में अच्छा व्यवहार नहीं किया था, मैंने परमेश्वर के प्रेम और उदारता को सीखा था । मेरी प्रारंभिक किशोरावस्था चाहत ने अच्छा उदाहरण रखा था, मैंने उस युवक के प्रकाश को पहचाना और उसके आस-पास रहना चाहती थी ।

इन अनुभवों ने मुझे सीखने में मदद की थी कि, प्रचारकों से मेरी प्रथम मुलाकात से पहले ही, स्वर्गीय पिता ने मेरे आस-पास के लोगों के द्वारा मुझे सुसमाचार सीखाने के लिए तैयार कर दिया था । उनसे मैंने सीखा था कि छोटे-छोटे काम जो हम करते हैं बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं । सबसे अधिक महत्वपूर्ण, मैंने सीखा था कि प्रचारक कार्य मुझ से शुरू होता है ।

बच्चे

सुसमाचार—बांटने के लिए एक उपहार

शब्द *सुसमाचार* का अर्थ है वे सब शिक्षाएं और धर्मविधियां जो यीशु मसीह और उसके भविष्यवक्ताओं द्वारा हमें दी जाती हैं । सुसमाचार उपहारों से भरी एक टोकरी के समान है जो हमारे स्वर्गीय पिता ने हमें दिए हैं । आप इन उपहारों को दूसरों को देने में मदद कर सकते हो । जिसके साथ आप सुसमाचार के उपहार को बांट सकते हो ?

इन धर्मशास्त्रों की आयतों को पढ़ें और कुछ उपहारों की एक सूची या चित्र बनाएं जो सुसमाचार में शामिल हैं ।

1. याकूब 5:14–15
2. मुसायाह 16:6–7
3. 3 नफी 18:1–10
4. सि. और अनु. 20:72–73
5. सि. और अनु. 33:16
6. सि. और अनु. 89:4, 18–21
7. सि. और अनु. 132:46
8. सि. और अनु. 137:10
9. सि. और अनु. 138:32–34

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/10 । अनुवाद अनुमतिः 6/10 । *First Presidency Message, February 2011* का अनुवाद । Hindi । 09762 294

सभी बातों की पुनःस्थापना

इस सामाग्री को पढ़ें, और जैसा उचित हो, बहनें जिन से आप भेंट करती हैं के साथ इस पर चर्चा करें। अपनी बहनों को मजबूत और सहायता संस्था को अपने जीवन का सक्रिय हिस्सा बनाने में मदद के लिए प्रश्नों का प्रयोग करें।

विश्वास • परिवार • सहायता

भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने सहायता संस्था को गिरजाघर के एक जरूरी भाग के रूप में संगठित किया था। अध्यक्षता के रूप में, हम आशा करते हैं कि यह समझने में हम आपकी मदद कर सकते हैं कि आपके जीवन में सहायता संस्था जरूरी क्यों है।

हम जानती हैं कि नये नियम की स्त्रियों ने यीशु मसीह में विश्वास दिखाया और उसके कार्य में भाग लिया था। लूका 10:39 मरियम के विषय में बताता है, जो ''प्रभु के पावों के पास, बैठकर उसका वचन सुनती थी।'' यूहन्ना 11:27 में मारथा मसीह की साक्षी देती है: ''उसने उनसे कहा, हां, हे प्रभु, मैं विश्वास कर चुकी हूं, कि परमेश्वर का पुत्र मसीह जो जगत में आने वाला था, वह तू ही है।'' प्रेरितों के काम 9:36, 39 ''तबीता अथार्त दोरकास नाम की विश्वासिनी'' के विषय में बताते हैं, ''जो भले-भले काम और दान किया करती थी। ... और सब विधवाएं रोते हुए उसके पास आ खड़ी हुई; और जो कुरते और कपड़े [दोरकास ने] उनके साथ रहते हुए बनाए थे।'' रोमियों 16:1–2 में फीबे,''कलिसिया की सेविका'' और ''बहुतों की उपकारिणी थी।''

विश्वास, साक्षी, और सेवा के ये आदर्श अन्तिम-दिनों के गिरजाघर में जारी रहे थे और सहायता संस्था के संगठन के रूप में उभरे थे। जुली बी.बेक, सहायता संस्था की अध्यक्षा, ने सीखाया था: ''ठीक जैसे उद्धारकर्ता ने नये नियम के समय की मरियम और मारथा को उसके कार्य में भाग लेने के लिए निमंत्रित किया था, इस प्रबन्ध की स्त्रियों को भी प्रभु के कार्य में भाग लेने का अधिकारिक दायित्व है। ... सहायता संस्था संगठन ने 1842 में स्त्रियों की सामूहिक शक्ति और प्रभु के राज्य को बनाने के लिए उनके विशेष कार्यभार को शुरू किया था।''[1]

हम अपने कार्य को पूरा करती हैं जब हम सहायता संस्था के उद्देश्यों पर केन्द्रीत रहती हैं: विश्वास और निजी धार्मिकता का विकास करना, परिवार और घर को मजबूत करना, और जरूरतमंदों को खोजना और मदद करना।

मैं साक्षी देती हूं कि सहायता संस्था को उद्धार के कार्य में मदद के लिए दिव्यरूप से संगठित किया गया था। प्रत्येक सहायता संस्था की बहन को इस पवित्र कार्य को पूरा करने के लिए एक जरूरी भूमिका पूरी करनी है।

सिलविया एच. ऑलरड, जनरल सहायता संस्था में प्रथम सलाहकार।

धर्मशास्त्रों मे से

योएल 2:28–29; लूका 10:38–42; इफिसियों 1:10

हमारे इतिहास में से

बहन जुली बी. बैक ने सिखाया है कि ''हम भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ के द्वारा जानते हैं कि सहायता संस्था पुनःस्थापना का अधिकारिक भाग था।''[2] पुनःस्थापना प्रक्रिया की शुरूआत 1820 में प्रथम दिव्य दर्शन से शुरू हुई और ''नियम पर नियम, आज्ञा पर आज्ञा'' पाते हुए जारी रही थी (सि.और अनु. 98:12)। 17 मार्च, 1842 को जब सहायता संस्था आधिकारिक रूप से संगठित हुई थी, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने स्त्रियों को पुनःस्थापित गिरजाघर में उनके महत्वपूर्ण स्थान के बारे में सीखाया था। उन्होंने कहा था, ''गिरजाघर कभी भी पूर्णरूप से संगठित नहीं था जब तक की स्त्रियां इस तरह से संगठित नहीं हुई थी।''[3]

विवरण

1. Julie B. Beck, "Fulfilling the Purpose of Relief Society," *Liahona,* नवं. 2008, 108।
2. Julie B. Beck, "Fulfilling the Purpose of Relief Society," 108।
3. *Teachings of Presidents of the Church: Joseph Smith* (2007), 451।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. इस महिने मैं अपनी बहनों की क्या मदद करूंगी जिससे यीशु मसीह की शिष्या के विश्वास का प्रदर्शन हो ?

2. अपनी साक्षी को मजबूत करने के लिए पुनःस्थापित सुसमाचार की किस शिक्षा का अध्ययन मैं इस महिने करूंगी ?

अधिक सूचना के लिए,
www.reliefsociety.lds.org पर जाएं।

© 2011 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित। भारत में छपी। अंग्रेजी अनुमतिः 6/10। अनुवाद अनुमतिः 6/10। *Visiting Teaching Message, February 2011* का अनुवाद। Hindi। 09762 294